घूमता आईना
Ghoomta Aina "Around the World"

रतन टाटा नहीं रहे, पंच तत्व में हुए विलीन, श्रद्धांजलि अर्पित की SMS Lucknow ने

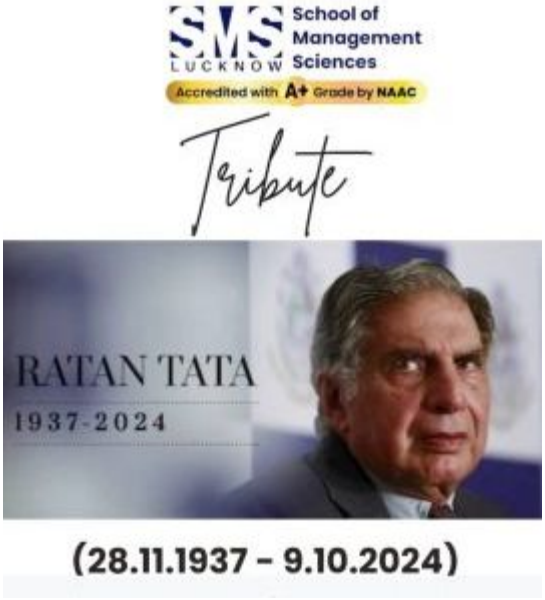

नहीं रहे उद्योग जगत के "रतन टाटा"
86 साल की उम्र में हुआ निधन

लखनऊ-10अक्टूबर 2024:

स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंन्सेस में रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित

9 अक्टूबर 2024 को रतन टाटा के निधन से पूरे भारत में शोक की लहर आ गयी। आज स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंन्सेस में शिक्षकगणों व छात्र / छात्राओं ने उनके अपर्मित कार्यों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ.भरत राज सिँह, महानिदेशक ने अपने उद्बोधन में उनके कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रतन टाटा एक सच्चे भारतीय पुत्र थे, जिन्होंने देश के मूल्यों और आदर्शों को गर्व से प्रस्तुत किया है। उनकी विनम्रता, अखंडता और दया ने उन्हें विश्वभर में सम्मान और प्रशंसा अर्जित की है। इस असाधारण व्यक्ति को श्रद्धाजलि अर्पित करते है, जो भारत की पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा और रोल मॉडल बने रहेंगे।

इस अवसर पर डॉ. धर्मेन्द्र सिँह, सह-निदेशक, डॉ. पी के सिँह व डॉ. हेमंत सिँह, अधिष्ठाता, सुनित मिश्रा, उमेश सिँह, नियाती गौड़, दिव्या मिश्रा, आयुषी पटेल शिक्षकगण व छात्र / छात्राये उपलब्ध थी और कार्यक्रम का संचालन निष्ठा पाण्डेय ने किया ।

अपनी वैल्यूज को किसी भी कीमत पे सबसे ऊपर रखते हुए बिजनेस के हिमालय पे पहुंचना, आपसे अच्छा कौन सिखा सकता है। इससे भी ज्यादा, एक व्यक्ति की तरह जीवन कैसे जिया जाए इसका उदाहरण है आपकी जिंदगी।

शत शत श्रद्धांजलि

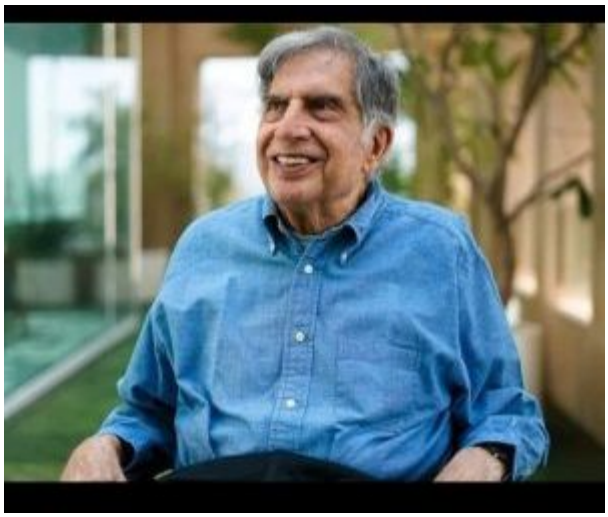

जब एक टेलीफोन साक्षात्कार में भारतीय अरबपति रतनजी टाटा से रेडियो प्रस्तोता ने पूछा:

"सर आपको क्या याद है कि आपको जीवन में सबसे अधिक खुशी कब मिली"?

**रतनजी टाटा ने कहा:"मैं जीवन में खुशी के चार चरणों से गुजरा हूं, और आखिरकार मुझे सच्चे सुख का अर्थ समझ में आया।"*

●पहला चरण धन और साधन संचय करना था - लेकिन इस स्तर पर मुझे वह सुख नहीं मिला जो मैं चाहता था।

●फिर क़ीमती सामान और वस्तुओं को इकट्ठा करने का दूसरा चरण आया - लेकिन मैंने महसूस किया कि इस चीज का असर भी अस्थायी होता है और कीमती चीजों की चमक ज्यादा देर तक नहीं रहती।

●फिर आया बड़ा प्रोजेक्ट मिलने का तीसरा चरण। वह तब था जब भारत और अफ्रीका में डीजल की आपूर्ति का 95% मेरे पास था। मैं भारत और एशिया में सबसे बड़ा इस्पात कारखाने मालिक भी था - लेकिन यहां भी मुझे वो खुशी नहीं मिली जिसकी मैंने कल्पना की थी।

●चौथा चरण वह समय था जब मेरे एक मित्र ने मुझे कुछ विकलांग बच्चों के लिए व्हील चेयर खरीदने के लिए कहा - लगभग 200 बच्चे थे। दोस्त के कहने पर मैंने तुरन्त व्हील चेयर खरीद लीं।

लेकिन दोस्त ने जिद की कि मैं उसके साथ जाऊं और बच्चों को व्हील चेयर भेंट करूँ। मैं तैयार होकर उनके साथ चल दिया। वहाँ मैंने सारे पात्र बच्चों को अपने हाथों से व्हील चेयर दीं। मैंने इन बच्चों के चेहरों पर खुशी की अजीब सी चमक देखी। मैंने उन सभी को व्हील चेयर पर बैठे, घूमते और मस्ती करते देखा। यह

ऐसा था जैसे वे किसी पिकनिक स्पॉट पर पहुंच गए हों, जहां वे बड़ा उपहार जीतकर शेयर कर रहे हों।

मुझे उस दिन अपने अन्दर असली खुशी महसूस हुई। जब मैं वहाँ से वापस जाने को हुआ तो उन बच्चों में से एक ने मेरी टांग पकड़ ली । मैंने धीरे से अपने पैर को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन बच्चे ने मुझे नहीं छोड़ा और उसने मेरे चेहरे को देखा और मेरे पैरों को और कसकर पकड़ लिया।

मैं झुक गया और बच्चे से पूछा: क्या तुम्हें कुछ और चाहिए ?
तब उस बच्चे ने मुझे जो जवाब दिया, उसने न केवल मुझे झकझोर दिया बल्कि जीवन के प्रति मेरे दृष्टिकोण को भी पूरी तरह से बदल दिया।
उस बच्चे ने कहा था-
मैं आपका चेहरा याद रखना चाहता हूं ताकि जब मैं आपसे स्वर्ग में मिलूं, तो मैं आपको पहचान सकूं और एक बार फिर आपका धन्यवाद कर सकूं।

रतन टाटा जैसे लोग मरते नही, अमर हो जाते है... .. विनम्र श्रद्धांजलि

---

https://ghoomtaaina.in/tata-the-great-indian-industrialist-of-india-is-no-more-at-the-age-of-86-he-breathed-his-last-in-breach-candy-hosoital-mumbai/